

असाधाररा EXTRAORDINARY

भाग II - खण्ड 3--उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3-Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 478] नई दिल्ली, शनिवार, सवस्वर 17, 1979/कार्तिक 26, 1901 No. 478] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 17, 1979/KARTIKA 26, 1901

इस भाग में भिन्त पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा का सर्वा।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृष्ट मंत्रालय

अधिस्चना

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1979

का. आ. 738(अ) - केन्द्रीय सरकार, विधि विरुद्ध कियाकलाप (निवारण) अधिनयम, 1967 (1967 का 37) की धारा 5 की उप-धारा (1) हारा प्रक्त पित्तवों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि ऐसा करना आवश्यक है, ''विधि विरुद्ध कियाकलाप (निवारण) अधिकरण'' गठित करती है जिसमे एकमात्र गोहाटी उच्च न्यायालय के न्यायाधीक श्री न्यायमूर्ति किरणभय नाहिरी होंगे।

फा. सं. 3-14026/2/79-एन.ई. (1)]

पी. पी. श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

NOTIFICATION

New Delhi, the 17th November, 1979

S.O. 738-(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5 of the Unlawful Activities (Prevention) Act, 1967 (37 of 1967), the Central Government, being of opinion that it is necessary so to do, hereby constitutes the "Unlawful Activities (Prevention) Tribunal" consisting of Shri Justice Kiranmay Lahiri, Judge of the Gauhati High Court.

[F. No. III-14026/2/79-NE(I)]

P. P. SHRIVASTAV, Jt. Secy.